नवभारत
(01.09.2014)

पिटाई होने पर आश्रम से भागीं छात्राएं

बैतूल 31 अगस्त नससे. सोनाघाटी के एक आश्रम में पिटाई से तंग आकर दो नाबालिग किशोरियों के भागने का मामला सामने आया है। दो दिन पहले स्कूल की छुट्टी के बाद आश्रम से निकली ये दोनो छात्राएं ट्रेन से भोपाल जाने का प्रयास कर रही थी।

लेकिन आरपीएफ की सक्रियता से ये छात्राएं भोपाल नहीं जा सकी। छात्राओं ने पुलिस को बताते हुए आश्रम संचालिका पर गंभीर आरोप लगाए। आंखो में आंसू और खौफ से भरा चेहरा लिए स्टेशन पर भूख से बिलखती दो छात्राएं अपने साथ हुई घटना की ओर इशारा कर रही थी। इसी दौरान आरपीएफ के आरक्षक की नजर इन मासूम छात्राओं पर पड़ी। गोरखपुर एक्सप्रेस आने के ठीक पहले आरक्षक के द्वारा दोनो छात्राओं से पूछताछ की तब उन्होंने भोपाल जाने का कहा। जब आरक्षक के द्वारा इन छात्राओं से पूछताछ की जा रही थी तो छात्राएं भयभीत नजर आ रही थी और उनकी आंखो में आंसू छलक पड़े और छात्राओं ने अपने साथ हुई पूरी घटना आरपीएफ पुलिस को बताई। छात्रावास से भागी छात्राओं ने आरपीएफ पुलिस को बताया कि आश्रम संचालिका के द्वारा आए दिनों उनसे मारपीट की जाती थी और उन्हें समय पर खाना भी नहीं दिया जाता था इसी वजह के चलते वे स्कूल से छुट्टी होने के बाद वह आश्रम से भाग निकली। छात्राएं छात्रावास से निकलने के बाद इधर-उधर भटक रही थी और शनिवार की रात गोरखपुर एक्सप्रेस से भोपाल जा रही थी.

राज एक्सप्रेस
(01.09.2014)

नर्सिंग स्टॉफ की लापरवाही से प्रसूता की मौत!

लहार ■ राज न्यूज नेटवर्क

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डिलेवरी के लिए आई महिला की प्रसव के बाद मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे एसडीएम एवं नायब तहसीलदार ने बीएमओ को इस कृत्य पर फटकार लगाते हुए संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कराए जाने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार मिहोना थाना क्षेत्र के ग्राम खितौली से निर्मला उम्र 22 साल, पत्नी अनूप पाराशर रविवार को सुबह करीब 10 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लहार में प्रसव के लिए पहुंची। वहां उसने शिशु को जन्म दिया। इसके बाद महिला को वार्ड में शिफ्ट करवा दिया गया। जहां ब्लीडिंग होने की परेशानी बढ़ गई। परिजनों ने इस की शिकायत नर्सिंग स्टॉफ से की, तो उन्होंने उसे सामान्य बताकर टाल दिया।